IASbaba-Daily Prelims Test- Day 1

Questions and Solutions

TOPICS:

1. संविधान -ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संविधान का निर्माण, संविधान का तत्वज्ञान
2. संघ एवं इसके क्षेत्र
3. नागरिकता

PRELIMS MCQ's:

1. **भारत में ब्रिटिश शासन के समय में, पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव किस कानून / अधिनियम के तहत शामिल किये गए?**

    1) भारतीय परिषद अधिनियम, 1892
    2) भारतीय परिषद अधिनियम, 1909
    3) भारत सरकार अधिनियम, 1919
    4) भारत सरकार अधिनियम, 1935

ANSWER: 2

पहले प्रयास में एक प्रतिनिधि और लोकप्रिय तत्व की शुरुआत मॉर्ले-मिंटो सुधार या भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 के द्वारा बनाया गया था।अधिनियम ने मुस्लिम समुदाय के लिए भी अलग प्रतिनिधित्व प्रदान किया और इस तरह अलगाववाद के बीज बोए।

Source: D.D. Basu – Chapter 1 ' ऐतिहासिक पृष्ठभूमि'

www.iasbaba.com

2. **भारत सरकार अधिनियम , 1935 द्वारा निर्धारित महासंघ कभी अस्तित्व में नहीं आया, क्योंकि**

1) भारतीय राज्यों के लिए संघ में शामिल होना वैकल्पिक था।
2) राज्य के प्रशासन के विषय जैसे कृषि, कानून और व्यवस्था गवर्नर-जनरल के अंतर्गत थे।
3) मुस्लिम लीग ने संघवाद का समर्थन नहीं किया, बल्कि वे अपने हितों की रक्षा करने के लिए एक मजबूत केंद्र चाहते थे।
4) कोई नहीं

ANSWER: 1

भारत सरकार अधिनियम, 1935 द्वारा निर्धारित महासंघ अस्तित्व में कभी नहीं आया क्योंकि भारतीय राज्यों (या रियासतों) के लिए संघ में शामिल होना वैकल्पिक था। और क्योंकि भारतीय राज्यों के शासकों ने अपनी सहमति नहीं दी , 1935 के अधिनियम द्वारा परिकल्पित संघ अस्तित्व में कभी नहीं आ पाया।

Source: D.D. Basu– Chapter 1 'ऐतिहासिक पृष्ठभूमि'

3. **निम्न में से कौन-सा / कौन-से भारत सरकार अधिनियम, 1919 की प्रमुख विशेषता (विशेषतायें) हैं ?**

a) केंद्र में द्वैध शासन प्रस्तुत करें
b) पहली बार के लिए अलग, केंद्रीय बजट से प्रांतीय बजट।
c) मुस्लिम समुदाय के लिए अलग प्रतिनिधित्व की शुरुआत हुई और अलगाववाद के बीज बोए गए।
d) प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत

सही उत्तर चुनिए :

1) केवल b

2) a और c
3) केवल d
4) b और d

ANSWER: 1

भले ही भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने केंद्रीय और प्रांतीय विषयों को अलग करके प्रांतों पर अधिक केंद्रीय नियंत्रण में ढील दी हो, सरकार की संरचना का केंद्रीकृत और एकात्मक होना जारी रहा। यह अधिनियम, आगे प्रांतीय विषयों को दो भागों में विभाजित किया -हस्तांतरित और आरक्षित। हस्तांतरित विषय विधान परिषद के लिए जिम्मेदार मंत्रियों की सहायता से राज्यपाल द्वारा प्रशासित किया जा रहे थे। आरक्षित विषय, दूसरी और, विधान परिषद के लिए जिम्मेदार हुए बिना राज्यपाल और उसके कार्यकारी परिषद द्वारा प्रशासित किया जाता है।शासन की इस दोहरी योजना को 'द्वैध शासन' के रूप में जाना जाता था।

पृथक निर्वाचन मॉर्ले-मिंटो सुधार या भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 द्वारा शुरू की गई थी।

Source: Lakshmikanth– Chapter 1 ' ऐतिहासिक पृष्ठभूमि'

4. **दिसंबर,1946 में जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत 'उद्देश्य संकल्प', संविधान के निर्माण में एक ऐतिहासिक घटना है। इस प्रस्ताव में क्या शामिल किया था ?**
   1) सांप्रदायिक मतदाताओं के उन्मूलन
   2) संविधान सभा की संरचना
   3) मूल सिद्धांतों और संवैधानिक संरचना के दर्शन
   4) भारत की सदस्यता में सर्वहित की पुष्टि

ANSWER: 3

13 दिसंबर 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने ऐतिहासिक 'उद्देश्य संकल्प' को विधानसभा में प्रस्तावित किया। इसमें मूल सिद्धांत और संवैधानिक संरचना का तत्वज्ञान दिया हुआ है।

Source: Lakshmikanth– Chapter 2 ' संविधान का निर्माण'

5. **एक लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था लोकप्रिय संप्रभुता के सिद्धांत पर आधारित है। इस सिद्धांत के संबंध में, निम्नलिखित पर विचार कीजिये :**

a) जनमत-संग्रह
b) परिपृच्छा
c) प्रत्यावर्तन या प्रत्याशी को वापस बुलाना
d) पहल

उपरोक्त में से कौन-सा/ से प्रत्यक्ष लोकतंत्र में उपयोग होते है?

1) b, c और d
2) a और b
3) a, b और c
4) सभी

ANSWER: 4

लोकतंत्र दो प्रकार के होते हैं :- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष लोकतंत्र में, स्विट्जरलैंड में लोगों सीधा अपनी सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग करते हैं । प्रत्यक्ष लोकतंत्र के चार उपकरण है-- जनमत-संग्रह , परिपृच्छा , प्रत्यावर्तन या प्रत्याशी को वापस बुलाना और पहल । अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में, दूसरी और, लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग करते है और सरकार चलाते और कानून बनाते हैं । यह लोकतंत्र जो प्रतिनिधि लोकतंत्र के रूप में भी जाना जाता है , दो प्रकार का है - संसदीय और अध्यक्षीय।

Source : Lakshmikanth Chapter 4 'संविधान का प्रस्तावना '

www.iasbaba.com

6. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौनसा भारतीय संविधान के प्रस्तावना के संबंध में सही है?**

a) प्रस्तावना विधायिका के लिए शक्ति का स्रोत है

b) प्रस्तावना संविधान का एक हिस्सा है

c) प्रस्तावना में संशोधन नहीं किया जा सकता

d) यह गैर-न्यायोचित है, या यह कानून की अदालतों में लागू करने योग्य नहीं है।

सही उत्तर चुनिए :

1) b और d

2) केवल b

3) a, c और d

4) a, b और d

ANSWER: 1

केशवानंद भारती मामले (1973)17 में उच्चतम न्यायलय ने पूर्व व्याख्या को अस्वीकार कर दिया और यह व्यवस्था दी की प्रस्तावना संविधान का एक भाग है और इसे इस शर्त के अधीन संशोधित किया जा सकता है कि कोई संशोधन 'मूल विशेषताओ' में नहीं किया जायेगा।अब तक प्रस्तावना को केवल एक बार 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 के तहत संशोधित किया गया है। इसके ज़रिये इसमें तीन नए शब्दों को जोड़ा गया - समाजवादी , धर्म निरपेक्ष एवं अखंडता। इस संशोधन को वैध ठहराया गया।

प्रस्तावना विधायिका के लिए न तो शक्ति का स्रोत है और न ही विधायिका की शक्तियों पर एक निषेध है। यह गैर-न्यायोचित है यानि की इसके प्रावधान कानून की अदालतों में लागू नहीं होते।

Source : Lakshmikanth Chapter 4 'संविधान का प्रस्तावना '

www.iasbaba.com

7. भारतीय संविधान की पहली अनुसूची से संबंधित है

a) राज्यों के नाम

b) संघ शासित प्रदेशों के नाम

c) नागरिकता

d) शपथ और प्रतिज्ञान के प्रपत्र

सही उत्तर चुनिए :

1) a और c

2) a और b

3) केवल d

4) केवल a

ANSWER: 2

भारतीय संविधान की पहली अनुसूची राज्यों के नाम और उनके क्षेत्राधिकार और केन्द्र शासित प्रदेशों और उनकी सीमा के नाम से संबंधित है। शपथ और प्रतिज्ञान के प्रपत्र तृतीय अनुसूची के अंतर्गत आता है।

Source : Lakshmikanth Chapter 5 'संघ एवं इसके क्षेत्र'

8. भारत में, नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत निम्न में से किन तरीकों से नागरिकता प्राप्त की जा सकती है ?

a) समीकरण द्वारा

b) वंश के द्वारा

c) क्षेत्र के निगमन द्वारा

d) पंजीकरण के द्वारा

www.iasbaba.com

सही उत्तर चुनिए :

1) a और d
2) a, b और c
3) a, b और d
4) सभी

Solution (4)

नागरिकता अधिनियम (1955) संविधान के प्रारंभ होने के बाद नागरिकता के अधिग्रहण और नुकसान के लिए निर्धारित है। मूल रूप से, नागरिकता अधिनियम (1955) ने भी सर्वहित नागरिकता का निर्धारण किया है। पर ये नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2003 द्वारा निरस्त कर दिया गया था। जन्म, वंश, पंजीकरण, समीकरण और क्षेत्र का समावेश - यह प्रावधान 1955 की नागरिकता अधिनियम के तहत नागरिकता प्राप्त करने के पांच तरीके के प्रावधान निर्धारित है।

Source : Lakshmikanth Chapter 6 'नागरिकता'

9. **निम्नलिखित वाक्यों पर विचार कीजिये :**

Assertion (A) : अनुच्छेद 1 एक 'राज्यों के समूह' के बजाय 'राज्य के संघ' के रूप में भारत का वर्णन करता है

Reason (R) : भारतीय संघ राज्यों के बीच एक समझौते का परिणाम नहीं है

सही उत्तर चुनिए :

1) दोनों A और R सही है और R A का सही स्पष्टीकरण है
2) दोनों A और R सही है लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
3) A सही है और R गलत है
4) A गलत है और R सही है

ANSWER: 1

अनुछेद 1 में कहा गया है की इंडिया यानी भारत बजाय "राज्यों के समूह " के "राज्यों का संघ" होगा। यह व्यवस्था दो बातो को स्पष्ट करती है - एक , देश का नाम और दूसरा , राजपद्धति का प्रकार।

डॉ. बी. आर अम्बेडकर के अनुसार "राज्यों का संघ " उक्ति को संघीय राज्य के स्थान पर महत्व देने के दो कारण है - एक, भारतीय संघ राज्यों के बीच में कोई समझोते का परिणाम नहीं है , जैसे की - अमेरिकी संघ में और दो , राज्यों को संघ से विभक्त होने का कोई अधिकार नहीं है। यह संघ है , यह विभक्त नहीं हो सकता। पूरा देश एक है जो विभिन्न राज्यों में प्रशासनिक सुविधा के लिए बँटा हुआ है।

Source : Lakshmikanth Chapter 5 'संघ एवं इसके क्षेत्र'

10. भारत के संविधान के अनुसार, अनुच्छेद 3 राज्यों का पुनर्गठन करने के लिए संसद अधिकृत करता है। इस अधिकार के साथ संसद

a) किसी भी राज्य के नाम में परिवर्तन
b) किसी भी राज्य का क्षेत्रफल कम हो जाना
c) किसी भी राज्य की सीमाओं में परिवर्तन
d) किसी भी राज्य के क्षेत्र में वृद्धि

सही उत्तर चुनिए :

1) a, c और d
2) a और c
3) b, c और d
4) सभी

ANSWER: 4

अनुछेद 3 संसद को अधिकृत करता है -

- किसी राज्य में से उसका राज्य क्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों को या राज्यों के भागो को मिलाकर अथवा किसी राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नए राज्य का निर्माण कर सकेगी ;
- किसी राज्य के क्षेत्र को बढ़ा सकेगी।
- किसी राज्य का क्षेत्र घटा सकेगी।
- किसी राज्य की सीमाओ में परिवर्तन कर सकेगी।
- किसी राज्य के नाम में परिवर्तन कर सकेगी।

Source : Lakshmikanth Chapter 5 'संघ एवं इसके क्षेत्र'

www.iasbaba.com